

# राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 31 अगस्त • 2024

## विटामिन्स की खान होता है बैंगन घटाता है कोलेस्ट्रॉल

कानपुर (एसएनबी)। दिलीप नगर स्थित एपि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बैंगन की खेती पूरे वर्ष की जाती है, लेकिन खरीफ में बैंगन की रोपाईं उचित समय अगस्त से सितंबर का प्रथम खवाड़ा होता है। बैंगन विटामिन्स की खान होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन बी

सीएसए के वैज्ञानिक ने किसानों के लिये जारी की एडवाइजरी

के अलावा कैल्शियम, फास्फोरस और लोहे जैसे खनिज तत्व भी होते हैं। बैंगन के सेवन से रक्त में उपस्थित कोलेस्ट्रॉल का

तर कम होता है। बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में होता है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त करने में मदद करता है।

उन्होंने बताया कि बैंगन की अच्छी खेती के लिए उचित जल निकास और उपजाऊ



खरीफ फसल की बैंगन।

भूमि की आवश्यकता होती है। डॉ. सिंह ने बैंगन की किस्म के बारे में बताया कि लंबे फल वाली बैंगन की किस्म आजाद

क्रांति, पर्पल लॉन्ग, पूसा क्रांति आदि हैं। जबकि गोल फल वाली किस्म पूसा पर्पल राउंड और पंत ऋतुराज आदि प्रमुख रूप से हैं। उन्होंने खेत में रोपाईं के पूर्व 200 से 250 कुंतल कंपोस्ट खाद खेत में समान मात्रा में डालने की सलाह दी। अंतिम जुताई के पूर्व 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलो ग्राम फास्फोरस और 60 किलोग्राम पोटैश हेतु सलाह दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खेती करने में सामान्य किस्म में लगभग 250 से 350

कुंतल पैदावार प्रति है जबकि शंकर किस्म में साढ़े तीन सौ से लेकर साढ़े पांच सौ कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार होती है।

# सत्य का असर समाचार पत्र

31,08, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

22-02-2022, मुंबई, महाराष्ट्र

सत्य का असर समाचार पत्र **पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

## खरीफ मौसम में करें बैंगन की खेती



तथा विटामिन बी के अलावा कैल्शियम, फास्फोरस और लोहे जैसे खनिज तत्व भी होते हैं उन्होंने बताया कि बैंगन की सेवन से रक्त में उपस्थित कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में होता है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि बैंगन की अच्छी खेती के लिए उचित जल निकास और उपजाऊ भूमि की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने बैंगन की किस्म के बारे में बताया कि लंबे फल वाली बैंगन की किस्म आजाद क्रांति,पर्पल लॉन्ग, पूसा क्रांति आदि हैं। जबकि गोल फल वाली किस्म पूसा पर्पल राउंड और पंत ऋतुराज आदि प्रमुख किस्म है उन्होंने खेत में रोपाई के पूर्व 200 से 250 कुंतल कंपोस्ट खाद खेत में समान मात्रा में डालने की सलाह दी। अंतिम जुताई के पूर्व 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलो ग्राम फास्फोरस और 60 किलोग्राम पोटाश हेतु सलाह दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खेती करने में सामान्य किस्म में लगभग 250 से 350 कुंतल पैदावार प्रति है। होती है जब शंकर किस्म में साढ़े तीन सौ से लेकर साढ़े पांच सौ कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार होती है।



पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल  
सत्य का असर समाचार पत्र  
कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बैंगन की खेती सब्जी के लिए पूरे वर्ष की जाती है लेकिन खरीफ में बैंगन की रोपाई का उचित समय अगस्त से सितंबर का प्रथम पखवाड़ा उचित होता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि बैंगन में विटामिन ए



# सच की अहमियत

हर सवेरे नया जोश

कानपुर | शनिवार, 31 अगस्त 2024 | कानपुर, लखनऊ, उत्तरखंड से एक साथ प्रकाशित सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजि

## खरीफ मौसम में करें बैंगन की खेती

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर - चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के क्रम में दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बैंगन की खेती सब्जी के लिए पूरे वर्ष की जाती है लेकिन खरीफ में बैंगन की रोपाई का उचित समय अगस्त से सितंबर का प्रथम पखवाड़ा उचित होता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि बैंगन में विटामिन ए तथा विटामिन बी के अलावा कैल्शियम, फास्फोरस और लोहे जैसे खनिज तत्व भी होते हैं उन्होंने बताया कि बैंगन की सेवन से रक्त में उपस्थित कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में होता है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि बैंगन की अच्छी खेती के लिए उचित जल निकास और उपजाऊ भूमि की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने बैंगन की किस्म के बारे में बताया कि लंबे फल वाली बैंगन की किस्म आजाद क्रांति, पर्पल लॉन्ग, पूसा क्रांति आदि हैं। जबकि गोल फल वाली किस्म पूसा पर्पल राउंड और पंत ऋतुराज आदि प्रमुख किस्म है उन्होंने खेत में रोपाई के पूर्व 200 से 250 कुंतल कंपोस्ट खाद खेत में समान मात्रा में डालने की सलाह दी। अंतिम जुताई के पूर्व 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलो ग्राम फास्फोरस और 60 किलोग्राम पोटाश हेतु सलाह दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खेती करने में सामान्य किस्म में लगभग 250 से 350 कुंतल पैदावार प्रति है। होती है जब शंकर किस्म में साढ़े तीन सौ से लेकर साढ़े पांच सौ कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार होती है।



# खरीफ मौसम में करें बैंगन की खेती



आज दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बैंगन की खेती

कि बैंगन में विटामिन ए तथा विटामिन बी के अलावा कैल्शियम, फास्फोरस और लोहे जैसे खनिज तत्व भी होते हैं उन्होंने बताया कि बैंगन की सेवन से रक्त में उपस्थित कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। बैंगन में विटामिन सी बहुत अच्छी मात्रा में होता है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि बैंगन की अच्छी खेती के लिए उचित जल निकास और उपजाऊ भूमि की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने बैंगन की किस्म के बारे में बताया कि लंबे फल वाली बैंगन की किस्म आजाद

क्रांति, पर्पल लॉन्ग, पूसा क्रांति आदि हैं। जबकि गोल फल वाली किस्म पूसा पर्पल राउंड और पंत ऋतुराज आदि प्रमुख किस्म हैं उन्होंने खेत में रोपाई के पूर्व 200 से 250 कुंतल कंपोस्ट खाद खेत में समान मात्रा में डालने की सलाह दी। अंतिम जुताई के पूर्व 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलो ग्राम फास्फोरस और 60 किलोग्राम पोटाश हेतु सलाह दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खेती करने में सामान्य किस्म में लगभग 250 से 350 कुंतल पैदावार प्रति है। होती है जब शंकर किस्म में साढ़े तीन सौ से लेकर साढ़े पांच सौ कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार होती है।

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में

सब्जी के लिए पूरे वर्ष की जाती है लेकिन खरीफ में बैंगन की रोपाई का उचित समय अगस्त से सितंबर का प्रथम पखवाड़ा उचित होता है। डॉक्टर सिंह ने बताया

**जिलाधिकारी ने की जनपतीय स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा. तिग निर्देश**

# रहस्य सांदेश

243

शनिवार, 31 अगस्त 2024

लखनऊ व एटा से प्रकशित

R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715

पृष्ठ- 4

मू

किया जाए तथा पोषण कोट का वितरण

## खरीफ मौसम में करें बैंगन की खेती

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बैंगन की खेती सब्जी के लिए पूरे वर्ष की जाती है लेकिन खरीफ में बैंगन की रोपाई का उचित समय अगस्त से सितंबर का प्रथम पखवाड़ा उचित होता है। डॉक्टर सिंह ने बताया



कि बैंगन में विटामिन ए तथा विटामिन बी के अलावा कैल्शियम, फास्फोरस और लोहे जैसे खनिज तत्व भी होते हैं उन्होंने बताया कि बैंगन की सेवन से रक्त में उपस्थित कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। बैंगन में विटामिन सी

बहुत अच्छी मात्रा में होता है जो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शरीर को संक्रमण से मुक्त रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि बैंगन की अच्छी खेती के लिए उचित जल निकास और उपजाऊ भूमि की

आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने बैंगन की किस्म के बारे में बताया कि लंबे फल वाली बैंगन की किस्म आजाद क्रांति, पर्पल लॉन्ग, पूसा क्रांति आदि हैं। जबकि गोल फल वाली किस्म पूसा पर्पल राउंड और पंत

ऋतुराज आदि प्रमुख किस्म हैं उन्होंने खेत में रोपाई के पूर्व 200 से 250 कुंतल कंपोस्ट खाद खेत में समान मात्रा में डालने की सलाह दी। अंतिम जुताई के पूर्व 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलो ग्राम फास्फोरस और 60 किलोग्राम पोटैश हेतु सलाह दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खेती करने में सामान्य किस्म में लगभग 250 से 350 कुंतल पैदावार प्रति है। होती है जब शंकर किस्म में साढ़े तीन सौ से लेकर साढ़े पांच सौ कुंतल प्रति हेक्टेयर पैदावार होती है।